पाठ 12. भारतवर्ष

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्देश्य बच्चों को भारत की प्राकृतिक सुंदरता तथा संस्कृति से परिचित करवाना है। बच्चों में अपने देश के प्रति प्रेम का भाव होना आवश्यक है। यह कविता यही भाव जगा रही है।

कविता का सारांश

यह कविता भारत के सौंदर्य का गुणगान कर रही है। भारत हमें प्राणों से प्यारा है। इसकी रक्षा हिमालय एक सिपाही की तरह दिन-रात करता रहता है। इस भारत देश में गंगा नदी अपनी निर्मलता से चारों ओर का वातावरण निर्मल बनाती बहती जाती है। भारत प्रकृति की गोद में बसा प्राकृतिक सौंदर्य का खज़ाना है। यह वह पावन भूमि है जिसपर भगवान राम और सीता ने जन्म लिया था। यह वही धरती है जहाँ भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। हम बहुत सौभाग्यशाली हैं कि हमने इस भारतभूमि पर जन्म लिया है।

अध्यापन संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें। एक-एक कर बच्चों से कविता के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। कविता वाचन करते समय बच्चों को भारत की विशेषता, सभ्यता-संस्कृति आदि से परिचित करवाते जाएँ।

- बच्चों से पूछें कि उन्हें अपने देश भारत में सबसे अच्छा क्या लगता है। यहाँ के दर्शनीय स्थल, खान-पान, भारत का राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान या राष्ट्रीय ध्वज। (बच्चे कुछ भी उत्तर दे सकते हैं।)
- कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें।

  है यहाँ .... खड़ा हुआ,
  यह भारतवर्ष हमारा है।

  बच्चों को बताएँ कि हिमालय भारत के उत्तर में है और यह उत्तर दिशा से आने वाले शत्रुओं से हमारी रक्षा करता है। बताएँ कि गंगा नदी हिमालय पर्वत से ही निकलती है।
- बताएँ कि भारत का प्राकृतिक सौंदर्य इतना अद्भुत है कि दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं। हमें अपनी भारत भूमि पर गर्व करना चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।